आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 02.02.2025 समय : 1850

<><><><><><><><>

- अंडमान–निकोबार द्वीपसमूह में इस वर्ष जनवरी महीने में जीएसटी राजस्व में छब्बीस प्रतिशत की बढ़ोत्तरी ।
- सरकार ने वर्ष दो हजार पच्चीस–छब्बीस के केन्द्रीय बजट में ग्यारह लाख इक्कीस हजार करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का लक्ष्य रखा ।
- केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण की कलकत्ता बेंच की ओर से श्री विजयपुरम में दस से इक्कीस फरवरी तक सर्किट कोर्ट लगेगी।
- वसंत पंचमी के अवसर पर द्वीपों में विभिन्न स्थानों पर सरस्वती पूजा का आयोजन।

<><><><><><><><>

अंडमान–निकोबार द्वीपसमूह में इस वर्ष जनवरी महीने में जीएसटी राजस्व में छब्बीस प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अंडमान निकोबार द्वीपसमूह जी एस टी के राजस्व बढ़ोत्तरी के मामले में देश में शीर्ष राज्य और केन्द्रशासित प्रदेशों में शामिल हैं। केन्द्रीय वित्त मंत्रालय की ओर से जारी किए गए आंकड़ों में यह बात सामने आई है। इस वर्ष जनवरी महीने में वस्तु और सेवा कर – जीएसटी के रूप में पूरे देश में एक लाख पचानब्बे हजार करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है। यह जनवरी दो हजार चौबीस की तुलना में बारह दशमलव तीन प्रतिशत अधिक है। इस वर्ष जनवरी में केंद्रीय वस्तु और सेवा कर संग्रह छत्तीस हजार सतहत्तर करोड़ रुपये और राज्य वस्तु और सेवा कर चवालीस हजार नौ सौ बयालीस करोड़ रुपए है। एकीकृत वस्तु और सेवा कर संग्रह की राशि एक लाख करोड़ रुपये से अधिक और उपकर तेरह हजार चार सौ बारह करोड़ रुपये है। जीएसटी संग्रह में सर्वाधिक उनचालीस प्रतिशत लद्दाख में दर्ज की गई।

<><><><><><><><>

सरकार ने वर्ष दो हजार पच्चीस–छब्बीस के केन्द्रीय बजट में ग्यारह लाख इक्कीस हजार करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का लक्ष्य रखा है। इस प्रकार बुनियादी ढांचा संचालित विकास की प्रतिबद्धता पर बल दिया गया है। सरकार ने रक्षा क्षेत्र और रेलवे के लिए व्यापक बजट आवंटन किया है। रक्षा क्षेत्र के लिए रिकॉर्ड छह लाख इक्यासी हजार करोड़ रुपये का आवंटन है, जो पिछले आवंटन से नौ दशमलव पांच–तीन प्रतिशत अधिक है। रेल और सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि केन्द्रीय बजट दो हजार पच्चीस ने विकसित भारत की आधारशिला और कार्य योजना सशक्त की है। संवाददाताओं में बातचीत में उन्होंने कहा कि रेलवे के लिए दो लाख बावन हजार करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय रखा गया है। उन्होंने कहा कि रेलवे अपना नेटवर्क बढ़ा रहा है और सुरक्षा पर विशेष रूप से ध्यान दे रहा है।

<><><><><><><><>

आज विश्व आर्द्र भूमि दिवस है। इसकी शुरुआत वर्ष उन्नीस सौ इकहत्तर में हुई थी, जब पर्यावरणविदों ने आर्द्र भूमि यानि दलदली भूमि के संरक्षण का आह्वान किया था। इस वर्ष के आर्द्र भूमि दिवस का विषय है साझा भविष्य के लिए आर्द्र भूमि का संरक्षण। पर्यावरण विदों का कहना है कि आर्द्र भूमि से भविष्य की पीढ़ियों को लाभान्वित करने के लिए ऐसे प्राकृतिक पर्यावास का संरक्षण जरूरी है। द्वीपों के उप राज्यपाल एडमिरल डी.के. जोशी ने कहा कि विश्व आर्द्रभूमि दिवस पारिस्थितिकीय तंत्रों को संरक्षित और पुनर्स्थापित करने की हमारी साझा जिम्मेदारी की याद दिलाता है। आर्द्रभूमि पृथ्वी पर सबसे विविध और उत्पादक पारिस्थितिकीय तंत्रों में से एक हैं।

<><><><><><><><>

संस्कृति मंत्रालय ने आकाशवाणी के सहयोग से आज नई दिल्ली के आकाशवाणी भवन में विशेष शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम हर कंठ में भारत का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम सोलह फरवरी तक प्रतिदिन सवेरे साढ़े नौ से साढ़े दस बजे तक आकाशवाणी के इक्कीस केंद्रों से सीधा प्रसारित किया जाएगा। इस अवसर पर आकाशवाणी की महानिदेशक प्रज्ञा पालीवाल गौड़ भी उपस्थित थीं। उन्होंने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह संस्कृति मंत्रालय का एक अनूठा प्रयास है। इससे न केवल कलाकारों को, बल्कि आकाशवाणी को अपने श्रोताओं में वृद्धि करने में भी सहायता मिलेगी। प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव

द्विवेदी ने कहा कि यह पहल लगभग छः सौ से अधिक कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करेगी।

<><><><><><><><>

केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण की कलकत्ता बेंच की ओर से श्री विजयपुरम में दस से इक्कीस फरवरी तक सर्किट कोर्ट लगेगी। इसमें नए आवेदन भी स्वीकार किए जाएंगे। जिन विभागों के मामले कैट के समक्ष विचाराधीन है, उन्हें सरकारी वकील से दस्तावेजों के साथ संपर्क करने को कहा गया है। विभागाध्यक्षों से भी कहा गया है कि वे सुनवाई के दिन जरूरी दस्तावेजों के साथ अपने नोडल अधिकारियों को कैट में उपस्थित रहने का निर्देश दें।

<><><><><><><><>

स्वच्छ भारत मिशन के तहत पर्यावरण संरक्षण और सतत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मध्य अंडमान के सहायक आयुक्त की ओर से पदमनभापुरम और धनीनाला समुद्र तट पर सफाई अभियान आयोजित किया गया। इस पहल में चालीस से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया और समुद्र तट क्षेत्र से कचरे का निपटान किया। अपने संबोधन में उन्होंने पर्यावरण की स्वच्छता को बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने स्वच्छ, हरित और पर्यटन–अनुकूल रंगत क्षेत्र को बढ़ावा देने में ऐसी पहलों के महत्व पर जोर दिया।

<><><><><><><><>

बसंत पंचमी और सरस्वती पूजा के पर्व आज देशभर में मनाये जा रहे हैं। इस अवसर पर लोग ज्ञान की देवी मॉ सरस्वती की पूजा करते हैं। बसंत पंचमी का पर्व बसंत के आगमन, नई ऋतु और प्राकृति की सुन्दरता को दर्शाता है। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को बधाई दी है। सोशल मीडिया पर साझा एक संदेश में राष्ट्रपति मुर्मु ने शिक्षा और ज्ञान से जुड़े इस पर्व पर कामना की है कि ये पर्व देशवासियों के लिए खुशी, समृद्धि और ज्ञान लेकर आयेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दी हैं।

वसंत पंचमी के अवसर पर द्वीपों के विभिन्न स्थानों पर सरस्वती पूजा का आयोजन श्रद्धा भाव से किया जा रहा है। श्री विजयपुरम में भी कई स्थानों पर सरस्वती पूजन के कार्यक्रम आयोजित किए गए। अंडमान लॉ कॉलेज में आज से दो दिन का सरस्वती पूजन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। समारोह का उद्घाटन कॉलेज के प्रधानाचार्य एस. जे कुमार ने किया। इस समारोह में कॉलेज के शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा अन्य गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर सरस्वती पूजन किया। समारोह समिति के अध्यक्ष आर राजशेखर ने आकाशवाणी को बताया कि यह समारोह हर साल मनाया जाता है।

<><><><><><><><>

डिगलीपुर के श्री वदिवेल मुरुगन मंदिर में 'महाकुंभभिषेकम' अनुष्ठान का आज समापन हुआ। इसमें सहायक आयुक्त डिगलीपुर समेत अन्य गणमान्य लोगों और श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

इधर, श्री विजयपुरम के लम्बा लाईन स्थित विवेकानन्द केन्द्र विद्यालय में आज कक्षा दसवीं और बारहवीं के छात्रों के लिए मातृ पूजा का आयोजन किया गया। इसमें बोर्ड की परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों के लिए पूजा की गई।

<><><><><><><><>

नेहरू युवा केंद्र रंगत की ओर से कल बिल्लीग्राउंड में 'स्वस्थ राष्ट्र–समृद्ध राष्ट्र' विषय पर ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन देश बंधु युवा क्लब और नेताजी युवा समिति के सहयोग से आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य खेल गतिविधियों के माध्यम से शारीरिक फिटनेस और मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता फैलाना था। इस अवसर पर हरिनगर ग्राम पंचायत के प्रधान मनोजीत हलदर मुख्य अतिथि थे, जबकि जिला परिषद सदस्य शंकर मंडल विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर पुरूषों और महिलाओं के लिए कई समूह और एकल स्पर्धाएँ आयोजित की गई। विजेताओं में पुरस्कारों का वितरण किया गया। विजेताओं को जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

<><><><><><><><>